बड़ा दावाः एनडीए ने 5.5 रुपये रोजाना में खरीदा बिहार का वोट

अशोका एक्सप्रेस

Member : CNSI, Delhi निर्वाण प्राप्त गीता भारती राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress

E-mail :-ashoka.express@live.com ashokaexpress

संपादक :- विजय कुमार भारती

प्रबंधक :- सज्जन सिंह

● वर्षः 28 ● अंक : 43 ● नई दिल्ली ● 23 से 30 नवम्बर 2025 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये

राहुल गांधी का बड़ा बयानः नेहरू सिर्फ इतिहासकार नहीं, बल्कि भारत की धड़कन हैं, डिजिटल संग्रह का उद्घाटन

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को जवाहरलाल नेहरू के लेखन के एक व्यापक डिजिटल संग्रह के उद्घाटन की सराहना की और इसे भारत की लोकतांत्रिक यात्रा को समझने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए एक शक्तिशाली दिशासूचक बताया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि देश के पहले प्रधानमंत्री के कार्य केवल ऐतिहासिक अभिलेख नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र की विकसित होती अंतरात्मा को दर्शाते हैं, जो उसके साहस, शंकाओं और आकांक्षाओं को समेटे हुए हैं। संग्रह के महत्व पर अपने विचार साझा करते हुए, राहुल गांधी ने कहा कि नेहरू के लेखन आधुनिक भारत को आकार देने वाली चुनौतियों और

विजयों के बारे में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि नेहरू के लेखन केवल इतिहास नहीं हैं, वे भारत की विकसित होती अंतरात्मा का अभिलेख हैं। हमारे राष्ट्र की लोकतांत्रिक यात्रा- उसके साहस, उसके संदेहों, उसके सपनों - को समझने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए, उनके शब्द एक शक्तिशाली दिशासूचक बने हुए हैं। मुझे खुशी है कि यह विरासत अब सभी के लिए खुली, खोज योग्य और मुफ़्त है। इसका विस्तार होता रहेगा। जवाहरलाल नेहरू की चुनिंदा कृतियाँ का पूर्णतः डिजिटलीकरण कर दिया गया है।

नए लॉन्च किए गए डिजिटल संग्रह में नेहरू के निबंध, पत्र, भाषण और व्यक्तिगत विचार स्वतंत्र रूप से सुलभ और खोज योग्य हैं, जिससे शोधकर्ता, छात्र और नागरिक भारत के पहले प्रधानमंत्री के विचारों को एक सुविधाजनक प्रारूप में खोज सकते हैं। इस संग्रह को निरंतर विस्तारित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, और समय के साथ इसमें अतिरिक्त लेखन और दस्तावेज़ों को शामिल करने की योजना है। राहुल गांधी ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि नेहरू की बौद्धिक और राजनीतिक विरासत अब बिना किसी प्रतिबंध के जनता के लिए उपलब्ध है। उन्होंने इस पहल को ऐतिहासिक साक्षरता और लोकतांत्रिक जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया, जो नागरिकों को उन मूलभूत विचारों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है जिन्होंने भारत को एक संप्रभु और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित करने में मार्गदर्शन किया। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कल घोषणा की थी कि जवाहरलाल नेहरू स्मारक कोष ने एक स्मार्टफोन-अनुकूल http://nehruarchive.in लॉन्च किया है।

भाजपा कारोबारियों को डरा रही, ताकि वो कुछ कह न सकें; अब इनकी नजर दालमंडी पर है- अखिलेश यादव

लखनऊ । अखिलेश यादव ने लखनऊ में भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में लोग खुलकर कारोबार नहीं कर पा रहे हैं। इनकी नीति है कि लोगों को इतना डरा दो कि वो अपनी बात न कह सकें। क्या ये कोई सरकार करती है। अरे, सबको अपनी बात कहने का हक है। सरकार की नजर अब दालमंडी पर है। एक दुकान बनाने में जमाने लग जाते हैं ये लोग पल भर में इसे तोड़ना चाहते हैं। भाजपा की बहुत संकीर्ण सोच है। ये साजिश कर रही है। ये चौड़ीकरण के नाम पर लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं। इनती सोच बहुत नकरात्मक है। किसी की जीविका छीनने का इनको अधिकारी कैसे मिल गया। ये लोग अधिकारियों के जरिए दबाव बनाते हैं। अखिलेश यादव ने कहा, दौली के

सांसद और दाल मंडी के व्यापारी आए हैं। सरकार के फैसले की वजह से व्यापारियों पर संकट आया है। ये पॉलिटिकल डिमोलिशन है। क्योंकि वो वहां से चुनाव नहीं जीत पा रहे हैं। बीजेपी ने वाराणसी को क्योटो बनाने का दावा किया था। लोगों को परेशान कैसे किया जाए। इस पर काम हो रहा है। पॉलिटिकल प्रोजेक्ट के लिए डिवाइड एंड रूल की नीति अपना रही है।

सम्पादकीय

दिल्ली में चोरी से लेकर हत्या तक ऐसी घटनाएं आम

दिल्ली में चोरी से लेकर हत्या तक ऐसी घटनाएं आम हैं जिसमें आरोपी नाबालिग होते हैं। ऐसी ही एक और घटना सामने आई है। विजय विहार इलाके में पांच नाबालिगों ने एक ऑटो ड्राइवर की हत्या कर दी। पुलिस का दावा है कि लूट का विरोध करने पर आरोपियों ने चाकू से गोदकर हत्या को अंजाम दिया। मृतक की पहचान 52 वर्षीय राकेश कुमार के रूप में हुई है। इस बाबत विजय विहार थाने में हत्या की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पांचों आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया है। हाल ही में 10 नवंबर को भी एक घटना सामने आई थी, जिसमें भलस्वा डेयरी इलाके में एक युवक को उसी के ई-रिक्शा में डालकर लड़कों का एक ग्रुप ले गया था। इसके बाद उस युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने कुछ ही घंटों में सीसीटीवी और लोकल इंटेलिजेंस की मदद से पांच आरोपियों को पकड़ लिया था। इस हमले को अंजाम देने वाले आरोपियों में 3 नाबालिग थे, जिनकी उम्र 16, 14 और 16 थी। दिल्ली को लेकर आई राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट डराने वाली है। यहां नाबालिग अब नए क्रिमिनल बनकर उभर रहे हैं। आंकड़ों से पता चला है कि जनसंख्या कम होने के बावजूद, नाबालिगों (माइनर्स) की ओर से किए गए अपराधों के मामले में दिल्ली अब देश में पांचवें स्थान पर आ गया है। वहीं मेट्रो शहरों से तुलना करें तो ये टॉप पर है। इसने उत्तर प्रदेश, बिहार और हरियाणा जैसे अधिक आबादी वाले राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है। राजधानी के नाबालिग अब तेजी से संगठित अपराधों की ओर मुड़ रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, चोरी और लूटपाट अभी भी सबसे आम अपराध हैं लेकिन दिल्ली पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि अब अपराध का पैटर्न (तरीका) बदल रहा है। एक वरिष्ठ दिल्ली पुलिस अधिकारी ने कहा, ÷पिछले तीन सालों में शहर में नाबालिगों के अपराध बहुत चिंताजनक हो गए हैं। पहले वे असंगठित तरीके से काम करते थे और ज्यादातर चोरी और लूटपाट तक ही सीमित थे लेकिन अब हम देख रहे हैं कि नाबालिग गिरोह बना रहे हैं और उत्तर-पूर्व तथा दक्षिण दिल्ली में सक्रिय बड़े आपराधिक नेटवर्क के साथ मिलकर अपराध कर रहे हैं। साल 2023 में कुल 4,098 किशोरों को पकड़ा गया था। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों से पता चला है कि इन किशोरों की शिक्षा का स्तर कुछ इस प्रकार था- शिक्षा का स्तर किशोरों की संख्या पूरी तरह से अनपढ़ (कभी स्कूल नहीं गए) 381 प्राइमरी स्तर तक पढ़े (जल्दी स्कूल छोड़ा) 995 कक्षा 10 तक पढ़े (सबसे बड़ा समूह) 1,432 कक्षा 12 तक पढ़े, 246 उच्च माध्यमिक से आगे की पढ़ाई की। यह आंकड़ा रोचक है क्योंकि यह इस धारणा को तोड़ता है कि सभी अपराधी अनपढ़ होते हैं। वास्तव में, अधिकांश ने कक्षा 10 तक पढ़ाई की है और उसके बाद स्कूल छोड़ दिया। इन आंकड़ों से यह भी सामने आया कि पकड़े गए 2,640 किशोर अपने माता-पिता के साथ रहते थे, 334 अभिभावकों के साथ और केवल 124 बेघर थे। जानकारों के मुताबिक नाबालिगों द्वारा बढ़ते अपराध की वजह मौजूदा शहरीकरण और औद्योगीकरण की प्रक्रिया से निर्मित संवेदनहीन माहौल है। ऐसे माहौल के कारण ज्यादातर परिवार अपने बच्चों को काबू में रखने में विफल हो रहे हैं। निजी आजादी में बढ़ोतरी से नैतिक मूल्य बिखरने लगे हैं। अधिक प्रतिस्पर्धा के कारण बच्चों की स्वाभाविकता छिन गई है। वे गुस्सैल और चिड़चिड़े होते जा रहे हैं। कम्प्यूटर और इंटरनेट ने नाबालिगों को समाज और परिवार से अलग-थलग कर दिया है। वे अवसाद के शिकार होने लगे हैं और अपराध की दुनिया में भी छलांग लगा लेते हैं। इन कारणों से नाबालिग अपराध के क्षेत्र में सक्रिय रहने लगे हैं। बच्चा वही सिखता है जो उसके आसपास घटित होता है। कोरोना काल में बच्चों की मनोदशा पर अधिक प्रभाव पड़ा है। इसकी वजह है ऑनलाइन गेमिंग व मेल-जोल का कम होना। बच्चे आजकल मोबाइल पर ऑनलाइन गेमिंग में अधिक व्यस्त हैं। इसमें भी बच्चों को आक्रोश वाले गेम अधिक पसंद हैं जिससे बच्चों की मनोदशा बदलती है। अपराध की कोई श्रेणी नहीं है। एक पढ़े-लिखे बच्चे से लेकर स्लम में रहने वाला कम शिक्षित या अनपढ़ बच्चा संगीन अपराध के लिए तैयार हो जाता है। उन्हें अपराध से मुक्त बनाए रखने के लिए केवल सरकार के भरोसे रहना भारी भूल होगी। समाज और घर परिवार को भी सचेत होने की जरूरत है। नाबालिगों द्वारा किए जा रहे यौन अपराधों की शिकार महिलाएं और युवतियों के साथ बच्चियां भी हो रही हैं। एक अध्ययन के मुताबिक 'भारतीय दण्ड संहिता' के तहत दर्ज नाबालिगों द्वारा किए जाने वाले अपराधों में 47 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। नाबालिग होते हुए भी वे बालिगों जैसी आपराधिक वारदातों को अंजाम देने लगे हैं और नाबालिगों को दी जाने वाली छूट का लाभ उठाकर और भी खूंखार अपराधी बनने की ओर अग्रसर हो जाते हैं। आमतौर पर देखा जाता है कि बालिग अपराधियों जैसे गंभीर अपराध करने के बावजूद नाबालिग अपराधी कठोर दंड से बच जाते हैं। वर्ष 2012 के 'निर्भया बलात्कार कांड' में पीड़ित लड़की के साथ सबसे अधिक दरिंदगी करने वाला नाबालिग अपराधी मृत्यु दण्ड से बच गया, जबकि इसी बलात्कार कांड में बाकी के सभी बालिग अपराधियों को फांसी दी गई। गंभीर अपराधों में संलिप्त नाबालिगों को लेकर कानून अस्पष्ट और लचर होने का ही परिणाम है कि उनका दुस्साहस लगातार बढ़ता चला गया है। यह देखा गया है कि जघन्य अपराधों को अंजाम देने वाले कई नाबालिगों पर बाल सुधार गृह में भेजने का भी कोई असर नहीं होता। खासतौर पर सुनियोजित तरीके से हत्या और बलात्कार जैसे अपराधों के नाबालिग आरोपियों के प्रति क्या नीति अपनाई जानी चाहिए, अब इस मसले पर सरकार और समाज को एक बार विचार करना होगा। जाहिर है, नाबालिगों में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति को रोक पाना अकेले कानून के बस में नहीं है। अभी किशोर न्याय बोर्ड केवल 16 से 18 वर्ष के नाबालिग आरोपितों के मामले में बालिग की तरह केस चलाने की प्रार्थना पर विचार कर सकता है लेकिन बदलते समय में कानून के इस प्रविधान में संशोधन की जरूरत महसूस होती है। नाबालिगों द्वारा अपराध बढ़ रहे हैं। इस पर अंकुश लगाना जरूरी है। हत्या, दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराध में संलिप्त हर आयु के नाबालिग से सख्ती से निपटना चाहिए। अगर उसकी प्रवृत्ति आपराधिक पाई जाती है। इसके लिए समाज और शैक्षणिक संस्थाओं के साथ स्वयं मां-बाप को भी सक्रिय होना होगा, तभी हम अपनी औलादों को अपराध में संलिप्त होने से बचा पाएंगे और उन्हें देश का बेहतर नागरिक बना सकेंगे।

भारत-अमेरिका एलपीजी ऊर्जा सहयोग -टैरिफ तनाव कूटनीतिक संतुलन और वैश्विक व्यापार समीकरणों का नया अध्याय

वैश्विक स्तर पर भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा व्यापार, विशेष रूप से एलपीजी (लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस) के क्षेत्र में हुआ नया समझौता न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भू-राजनीतिक समीकरणों, टैरिफ युद्ध, कृषि बाज़ारों में प्रवेश,और वैश्विक व्यापार नीतियों के बदलते ढांचे का संकेत भी देता है। हाल के वर्षों में भारत और अमेरिका के संबंधों में कभी सहयोग तो कभी तनाव की स्थिति देखने को मिली है,विशेषकर जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई भारतीय उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाए थे। ऐसे माहौल में एक वर्ष के लिए किया गया यह विशाल एलपीजी आयात समझौता द्विपक्षीय रिश्तों में सकारात्मक दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावना की गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूंकि यह समझौता भले ही भारत की कुल वार्षिक आवश्यकता का मात्र 10 प्रतिशत है,लेकिन इसकी कूटनीतिक भाषा और रणनीतिक संदेश कहीं अधिक बड़े हैं।भारत घरेलू ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है, वहीं अमेरिका को भारतीय बाज़ार में एक नई तकनीकी और व्यावसायिक एंट्री मिल रही है। इसके साथ ही यह समझौता भविष्य में संभावित ट्रेड डील,टैरिफ घटाने, और भारत-अमेरिका संबंधों के सुधार का संकेत माना जा रहा है। साथियों बातें अगर हम भारतीय किचन में 'मेड इन अमेरिका' एलपीजी ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार का नया आयाम इसको समझने की करें तो,भारत दुनिया के उन देशों में अग्रणी है, जहाँ घरों में एलपीजी का उपयोग सबसे तेजी से बढ़ रहा है। वर्तमान में भारत के लगभग 90 प्रतिशत घरों में एलपीजी का उपयोग होता है, और इनमें से 65 प्रतिशत एलपीजी आयात की जाती है। भारत की घरेलू जरूरतों का केवल 35 प्रतिशत ही देश में उत्पादित होता है। इसलिए ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने और आपूर्ति के जोखिम को कम करने के लिए भारत के लिए एलपीजी आयात में नए स्रोत जोड़ना रणनीतिक रूप से अनिवार्य था।अमेरिका दुनियाँ का बड़ा शेल गैस उत्पादक है और वह ऊर्जा निर्यात का विस्तार करना चाहता है। इस संदर्भ में भारत द्वारा अमेरिका से 2.2 मिलियन टन एलपीजी आयात के लिए किया गया एक-वर्षीय समझौता न केवल व्यापारिक है,बल्कि रणनीतिक भी है। यह समझौता अमेरिका को भारतीय ऊर्जा बाजार में पहली वास्तविक एंट्री देता है। अमेरिका लंबे समय से चाहता था कि भारत उसके कृषि उत्पादों, विशेष रूप से गेहूं, मक्का, सोया और डेयरी के लिए अपना बाजार खोले। लेकिन भारत कृषि क्षेत्र में संवेदनशीलता और लाखों किसानों की आजीविका को देखते हुए इसे अनुमति देने से लगातार बचता रहा है।परिणाम स्वरूप अमेरिका ने नाराज होकर भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ बढ़ा दिया।अब एलपीजी समझौता अमेरिका को 'एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण आर्थिक एंट्री' देता है, जिससे ट्रंप प्रशासन के व्यापार तनाव को कम करने और भविष्य में बड़े समझौतों की दिशा में बढ़ने की संभावना दिखती है। साथियों बात अगर हम भारत- अमेरिका एलपीजी समझौता- एक वर्ष का अनुबंध लेकिन भविष्य के व्यापक व्यापारिक सहयोग की नींव समझने की करें तो,नई डील के अनुसार भारत अमेरिका से लगभग 2.2 मिलियन टन एलपीजी खरीदेगा। यह मात्रा भारत की सालाना एलपीजी खपत का केवल 10 प्रतिशत है, लेकिन इसकी अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक और आर्थिक महत्ता इससे कहीं अधिक है।यह समझौता महत्वपूर्ण क्यों है?

यह पहली बार है जब अमेरिका ऊर्जा क्षेत्र में भारत के घरेलू बाजार में सीधे प्रवेश कर रहा है। यह समझौता एक वर्ष के लिए है, लेकिन इसे बड़े, दीर्घकालिक समझौते की पृष्ठभूमि माना जा रहा है।टैरिफ विवादों के बीच यह दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली की दिशा में कदम है।इससे यह संकेत मिलता है कि भारत अब अपनी ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को पश्चिमी देशों, विशेषकर अमेरिका, के साथ अधिक सुरक्षित करना चाहता है।यह सौदा भारत और अमेरिका के बीच सहयोग के नए युग की शुरुआत कर सकता है, जहाँ अमेरिका ऊर्जा निर्यात को बढ़ाएगा और भारत आयात स्रोतों में विविधता लाएगा। इसके साथ ही भारत ने यह संदेश भी दिया है कि वह अमेरिका को अपने बाजार में प्रवेश तो देगा, लेकिन कृषि जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में नहीं। साथियों बात अगर हम भारत का एलपीजी पर बढ़ता आयात÷घरेलू ऊर्जा नीति, उज्ज्वला योजना और खाड़ी देशों से निर्भरता इसको समझना की करें तो, पिछले एक दशक में भारत में एलपीजी का उपयोग तेजी से बढ़ा है। इसका सबसे बड़ा कारण है,सरकार की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जिसके तहत करोड़ों गरीब परिवारों को सब्सिडी पर एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। इससे ग्रामीण और कम आय वाले परिवार भी खाना पकाने के लिए सुरक्षित ईंधन की ओर बढ़े हैं।भारत के प्रमुख एलपीजी आयात स्रोत (2024) यूएई- 81लाख टन, कतर-50 लाख टन,कुवैत, सऊदी अरब, महत्वपूर्ण सप्लायर हैं इन आँकड़ों से स्पष्ट है कि भारत की एलपीजी सप्लाई खाड़ी क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भर है। भू-राजनीतिक तनाव, युद्ध, शिपिंग रूट में खतरों और कीमतों में उतार-चढ़ाव को देखते हुए भारत को नए आयात स्रोतों की आवश्यकता थी। ऐसे में अमेरिका से एलपीजी आयात भारत की ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षा के लिहाज से एक मजबूत कदम है।इसके साथ ही यह समझौता संदेश देता है कि भारत, ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय कृषि उत्पादों पर टैरिफ लगाए जाने के बावजूद, संबंधों को नए सिरे से संतुलित करना चाहता है।यह डील इस तथ्य को भी इंगित करती है कि अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने के बावजूद भारत और अमेरिका दोनों एक-दूसरे के लिए बड़े बाजार बने रहेंगे। अमेरिका के लिए भारत ऊर्जा निर्यात और अन्य टेक्नोलॉजिकल डील्स का बड़ा केंद्र है। साथियों बातें कर हम क्या एलपीजी समझौते से खुलेगा ट्रेड डील का रास्ता? मोदी-ट्रंप समीकरण में संभावित बदलाव इसको समझने की करें तो,यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या यह एलपीजी समझौता भारत और अमेरिका के बीच व्यापक ट्रेड डील का मार्ग प्रशस्त कर सकता है? विशेषज्ञों और कूटनीतिज्ञों के अनुसार, इसके तीन प्रमुख संकेत हैं÷(क) विश्वास बहाली की शुरुआत-टैरिफ विवादों, कृषि बाजार तनाव और रूस से ऊर्जा खरीद पर अमेरिका की नाराजगी के बाद दोनों देशों में अविश्वास बढ़ गया था। इस एलपीजी समझौते से विश्वास की वापसी की शुरुआत मानी जा रही है। -(ख) अमेरिका को भारतीय बाजार में सीमित प्रवेश-भारतीय कृषि क्षेत्र में प्रवेश न मिल पाने की निराशा को कम करने के लिए अमेरिका को ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश मिला। यह रणनीतिक रूप से संतुलित नीति है। भारत ने कृषि बाज़ार नहीं खोला, लेकिन एलपीजी जैसे गैर-संवेदनशील क्षेत्र में सौदा किया।यह भविष्य के बड़े व्यापारिक समझौतों की तैयारी जैसा है।(ग) मोदी- ट्रंप समीकरण का व्यावहारिक पहलू-ट्रंप और मोदी के बीच पिछले समय में मजबूत व्यक्तिगत संबंध रहे हैं, लेकिन वैश्विक व्यापार में ट्रंप की नीति हमेशा ÷अमेरिका फर्स्ट÷ रही है। ट्रंप ने बार-बार कहा कि भारत ÷उच्च टैरिफ वाला राष्ट्र÷ है।अब भारत द्वारा किया गया यह समझौता संकेत देता है कि मोदी सरकार टैरिफ तनाव कम करने और अमेरिका के साथ ऊर्जा आधारित आर्थिक साझेदारी बढ़ाने की इच्छुक है।कई विश्लेषकों का मानना है कि यह डील भविष्य में टैरिफ खत्म करने, नए क्षेत्रीय सहयोग, और संभवतः नवीन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए)-जैसी संरचना की शुरुआत कर सकती है। साथियों बात अगर हम रूस से ऊर्जा खरीद पर अमेरिकी टैरिफ और भारत-अमेरिका व्यापार के सामान्य स्थिति लौटने की संभावना इसको समझने की करें तो अगस्त 2025 में अमेरिका ने भारत पर रूस से ऊर्जा खरीदने के कारण 25प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया, जिससे कुल टैरिफ 50 प्रतिशत तक पहुँच गया।यह कदम अमेरिका द्वारा भू-राजनीतिक दबाव बनाने का तरीका था।

उन्हें उम्मीद थी कि भारत रूस से ऊर्जा आयात कम करेगा। लेकिन भारत ने स्पष्ट कर दिया कि उसकी ऊर्जा सुरक्षा प्राथमिकता है, और वह अपने हितों के अनुसार आयात नीति तय करेगा।अब एलपीजी डील के बाद यह संभव है कि अमेरिका भारत पर लगाए गए अतिरिक्त टैरिफ कम करे,दोनों देशों के बीच सामान्य व्यापारिक संबंध बहाल हों,ऊर्जा व्यापार सहयोग नए उच्च स्तर पर पहुँचे,विशेषज्ञ मानते हैं कि यह डील एक द्विपक्षीय राजनीतिक संदेश भी है÷भारत रूस से ऊर्जा खरीदता रहेगा, लेकिन साथ ही अमेरिका के साथ भी ऊर्जा संबंधों को मजबूत करने को तैयार है।भारत ने इससे वैश्विक संतुलन की अपनी नीति को दोबारा स्थापित किया है, बहु-आयामी व्यापार और संतुलित कूटनीति। अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि एलपीजी समझौता केवल ऊर्जा व्यापार नहीं, बल्कि द्विपक्षीय संबंधों में बदलाव का संकेत है, भारत-अमेरिका एलपीजी समझौता केवल व्यापारिक सौदा नहीं है।यह वैश्विक व्यापार संरचना टैरिफ तनावों, ऊर्जा सुरक्षा, और बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच कूटनीतिक संतुलन की कहानी भी है।यह सौदा संकेत देता है कि÷भारत अपनी ऊर्जा नीति में विविधता चाहता है,अमेरिका भारतीय बाजार में प्रवेश बढ़ाना चाहता है,और दोनों देश टैरिफ तनाव को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने को तैयार हैं।यह समझौता दीर्घकाल में भारत-अमेरिका के बीच एक मजबूत व्यापारिक साझेदारी, संभावित नई ट्रेड डील, और राहतपूर्ण टैरिफ नीति की दिशा में कदम हो सकता है। आने वाले वर्षों में यह एलपीजी सौदा ऊर्जा सहयोग, रणनीतिक संतुलन और वैश्विक व्यापारमें भारत-अमेरिका समीकरणों का महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है।

स्वामी, प्रकाशक वं मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगें। Phone : 9810674206

दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे पर काम शुरू : संगरूर में किसानों और प्रशासन के बीच गतिरोध टूटा, 10 दिन में होगा भुगतान

चण्डीगढ़-पंजाब । दिल्ली कटरा एक्सप्रेस वे को लेकर संगरूर में किसानों और प्रशासन के बीच चले लंबे गतिरोध के बाद अब सकारात्मक पहलू सामने आया है। घराचों के पास एक्सप्रेसवे के रुके हिस्से पर काम दोबारा शुरू हो गया है, जिससे परियोजना के सुचारु रूप से आगे बढ़ने की उम्मीद मजबूत हुई है। लंबे समय से गांव संतोखपुरा में भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां का आंदोलन चल रहा था। प्रशासन से बातचीत के बाद यूनियन ने अपने आंदोलन को सड़क के किनारे पर शिफ्ट कर निर्माण को जारी रखने पर सहमति दे दी है। प्रशासन ने दस दिन के भीतर सभी मांगें पूरी करने का भरोसा दिया है। भरोसे के चलते किसानों ने सहयोग की भावना दिखाते हुए आधा किलोमीटर क्षेत्र में काम फिर से शुरू करने पर सहमति दी है। इससे एक्सप्रेस वे के उस हिस्से में गतिविधियां फिर से तेज हो गई हैं। यह कदम परियोजना के लिए अहम माना जा रहा है। दोनों पक्ष आपसी सहमति से समाधान की ओर बढ़े हैं। भूमि अधिग्रहण के मुआवजे पर किसानों द्वारा उठाए गए ब्याज भुगतान के मुद्दे को प्रशासन और एनएचएआई ने गंभीरता से लिया है। अधिकारियों ने किसानों को भरोसा दिया कि 2020 से 2023 तक के ब्याज भुगतान की फाइल आगे बढ़ा दी गई है और इस प्रक्रिया को जल्द पूरा करने के लिए लगातार समीक्षा की जा रही है। दस दिन के भीतर भुगतान करने का भरोसा दिलाया गया है। यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष जोगिंदर सिंह उगराहां ने कहा कि प्रशासन की ओर से स्पष्ट और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, जिससे बातचीत का रास्ता खुला है। उगराहां ने कहा कि गांव घराचों के अलावा मालेरकोटला के गांव सरौद में मामूली विवाद बरकरार है। प्रशासन की तत्परता से इसके हल होने की संभावना है। अहम पहलू यह रहा कि प्रशासन और नेशनल हाईवे अथॉरिटी आफ इंडिया ने किसानों से लगातार संवाद जारी रखा। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि किसानों की किसी भी वैध मांग की अनदेखी नहीं की जाएगी। इस ताजा प्रयास से जम्मू कटरा दिल्ली एक्सप्रेस वे के जल्द पूरा होने की उम्मीद बंध गई है। एक्सप्रेसवे भारतमाला परियोजना के तहत एक महत्वपूर्ण ग्रीनफील्ड (नए सिरे से निर्मित) गलियारा है, जिसका उद्देश्य दिल्ली, अमृतसर और कटरा के बीच यात्रा के समय को काफी कम करना है। इसकी कुल लंबाई लगभग 670 किमी है और 4-लेन (8 लेन तक विस्तार योग्य) होगी। इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 35 हजार करोड़ रुपये है।

350वीं शहीदी वर्षगांठ के अवसर पर रहेगी बाज नजर, श्रद्धालुओं के लिए किए गए विशेष इंतजाम

रूपनगर/श्री आनंदपुर साहिब ।

पंजाब सरकार ने नौवें गुरु, धन धन श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत को समर्पित 350वीं शहीदी वर्षगांठ के जश्न के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम किए हैं। चीफ सेक्रेटरी के.ए.पी. सिन्हा और डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस गौरव यादव ने समागम की तैयारियों का रिव्यू किया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चीफ सेक्रेटरी ने कहा कि सभी अधिकारी सेवा की भावना से काम करें और श्रद्धालुओं को पूरी सुविधाएं देना अपनी प्राथमिकता बनाएं। चीफ सेक्रेटरी ने कहा कि 22 नवंबर को चार अलौकिक नगर कीर्तन श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेंगे, जबकि 23 नवंबर को गुरु का बाग बुड्ढा दल छावनी में श्री अखंड पाठ साहिब शुरू होगा।

23 नवंबर को होने वाले सर्वधर्म सम्मेलन में देश-विदेश से बड़े-बड़े धार्मिक लोग और संत-महापुरूष शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि 24 नवंबर को भाई जैता जी मेमोरियल में पंजाब विधानसभा का स्पेशल सेशन होगा, जबकि 25 नवंबर को श्री अखंड पाठ साहिब के भोग डाले जाएंगे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान भी अलग-अलग धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। चीफ सेक्रेटरी ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सरकार ने टेंट सिटी में करीब 10 हजार श्रद्धालुओं के रहने का इंतजाम किया है।

इसके साथ ही, 500 फ्री ई-रिक्शा और शटल बसों से श्रद्धालुओं को कार्यक्रम स्थल तक आने-जाने में आसानी होगी। उन्होंने बताया कि गाड़ियों के लिए 100 एकड़ में 30 मॉडर्न पार्किंग बनाई गई हैं। श्री आनंदपुर साहिब को साफ-सुथरा और हरा-भरा बनाने के लिए एक खास पेड़ लगाने की मुहिम भी शुरू की जा रही है, जिसमें बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स, सेवादार और सामाजिक संगठन हिस्सा लेंगे।

प्रशासन लगातार मीटिंग कर रहा है और इंतजामों को फाइनल करने के लिए अलग-अलग लेवल पर मौकों का रिव्यू कर रहा है। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि आने वाले हर भक्त को एक आसान और सुरक्षित अनुभव दिया जाएगा। सरकार का मुख्य मकसद है कि यह ऐतिहासिक कार्यक्रम भक्ति, अनुशासन और सेवा के सबसे ऊंचे स्टैंडर्ड पर हो। सुरक्षा व्यवस्था के बारे में डी.जी.पी. गौरव यादव ने कहा कि 8000 से ज़्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं, जो 25 अलग-अलग सेक्टर में निगरानी कर रहे हैं। 500 से ज़्यादा सी.सी.टी.वी. कैमरे पूरे इलाके पर नजर रखेंगे, ताकि किसी भी असामाजिक तत्व को तुरंत कंट्रोल किया जा सके। ए.डी.जी.पी. नौनिहाल सिंह विधानसभा के स्पेशल सेशन की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार होंगे। इस मौके पर एडिशनल चीफ सेक्रेटरी पार्लियामेंट्री अफेयर्स डी.के. तिवारी, प्रिंसिपल सेक्रेटरी वाटर सप्लाई एंड सैनिटेशन नील कंठ अवहक, सेक्रेटरी टूरिज्म डॉ. अभिनव, सेक्रेटरी पंजाब मंडी बोर्ड और इन्फॉर्मेशन एंड पब्लिक रिलेशन्स रामवीर, स्पेशल डी.जी.पी. अर्पित शुक्ला, ए.डी.जी.पी. परमार, ए.डी.जी.पी. नौनिहाल सिंह, गमाडा के सी.ए. साक्षी साहनी, हरगुनजीत कौर, डिप्टी कमिश्नर रूपनगर वरजीत वालिया, अभिमन्यु मलिक, नानक सिंह, डिप्टी कमिश्नर जालंधर हिमांशु अग्रवाल, डिप्टी कमिश्नर लुधियाना हिमांशु जैन, अमरदीप संधू डी.सी. फाजिल्का, एडीए संदीप गढ़ा, एडीसी पूजा सियाल और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कनाडा पीआर पर बड़ा संकट! खतरे में सैकड़ों पंजाबी युवाओं का भविष्य

पंजाब डेस्क । कनाडा में सैकड़ों पंजाबी युवाओं का भविष्य खतरे में है, दरअसल, सैंकड़ों एप्लीकेशन रिजेक्ट हो गए हैं। कनाडा में इमिग्रेशन फाइलों का ढेर अब इतनी तेज़ी से बढ़ गया है कि वहां का पूरा सिस्टम दबाव में आ गया है। लंबित मामलों की संख्या लगभग 10 लाख तक पहुंच चुकी है और इसका सबसे भारी असर भारतीयों पर-विशेषकर पंजाब के परिवारों पर स्पष्ट दिख रहा है। कनाडा के सूबे ओंटारियो ने अपने प्रांतीय नॉमिनी प्रोग्राम के तहत चल रही Skilled Trades Stream को अचानक सस्पेंड कर दिया है। सरकार के इस फैसले के बाद इस श्रेणी में लगाई गई सभी लंबित आवेदन वापस कर दिए गए हैं, जिससे हज़ारों आवेदकों के भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक करीब 2,600 आवेदक अपनी फाइल के स्वीकार होने का इंतजार कर रहे थे। अब स्ट्रीम बंद होने से सभी की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। आपको बता दें कि, ओंटारियो विधानसभा के बाहर लगातार तीसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन जारी रहा। प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने साफ कहा है कि जब तक सरकार यह आश्वासन नहीं देती कि उनकी रद्द की गई आवेदनों पर फिर से विचार किया जाएगा, तब तक वे अपना धरना खत्म नहीं करेंगे। युवाओं का कहना है कि बिना उचित मौका दिए उनकी फाइलें खारिज कर दी गईं और अब वे अपने भविष्य को लेकर बेहद चिंतित हैं। वहीं आपको बता दें कि, कनाडा में बसे युवाओं से मिलने के लिए आने-जाने वाले माता-पिता और बुजुर्गों को अब असाधारण देरी का सामना करना पड़ रहा है। पहले भारतीयों को कनाडा का 10 वर्ष का मल्टीपल-एंट्री विज़िटर वीजा आसानी से मिल जाता था, लेकिन नई नीति में इसे घटाकर मात्र 3.5 वर्ष कर दिया गया है। झटका यह कि मल्टीपल-एंट्री विकल्प लगभग खत्म कर दिया गया है-अधिकांश मामलों में अब सिंगल-एंट्री वीजा ही जारी किया जा रहा है। इसका अर्थ है कि हर बार भारत लौटने के बाद दोबारा नया वीज़ा आवेदन करना होगा, जिससे यात्राएं पहले की तुलना में भारी और जटिल हो गई हैं। कनाडा में लगभग 7 लाख पंजाबी युवा रहते हैं, और उनके माता-पिता व रिश्तेदार अक्सर उनसे मिलने जाते हैं। लेकिन नियम सख्त होने से परिवारों का आना-जाना अब पहले जैसा आसान नहीं रहा।

जम्मू सीमा पर रावी दरिया का सीना छलनी कर रहा माफिया, माइनिंग विभाग बेखबर

पठानकोट (पंजाब) ।

पठानकोट जिले में अवैध खनन रुकने का नाम नहीं ले रहा है। सरकार द्वारा चलाई गई स्कीम जिसका खेत, उसकी रेत की आड़ में और दादागिरी से खनन माफिया चांदी कूटने लगा है। खेतों की खुदाई तो हो नहीं रही बल्कि माफिया रावी दरिया का सीना छलनी करने में लगा है। ताजा मामला पंजाब-जेएंडके सीमा पर स्थित माधोपुर के गांव बेहड़ियां बुजुर्ग व छन्नी में देखने को मिला है। जहां खनन माफिया के लोग दिनदहाड़े ही रावी दरिया और आसपास खोदाई कर पत्थर-रेत निकाल रहे है। जबकि इस पूरे मामले से माइनिंग विभाग, पुलिस प्रशासन और आप पार्टी के नेता सबको पता होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

बेहड़ियां बुजुर्ग तरफ रावी दरिया होने वाली माइनिंग से परेशान लोगों ने बताया कि दिन रात माफिया दरिया का छीना छलनी कर सेंकड़ों की तादाद में ट्रक जेएंडके, पंजाब व हिमाचल-प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में भेज रहा है। हालांकि खनन वाली जगह से कुछ दूरी पर माइनिंग नाकाबंदी भी है लेकिन, कोई कार्रवाई नहीं हो रही। लोगों के मुताबिक प्रशासन और माफिया की मिलीभगत से ही अवैध खनन का धंधा चल रहा है और कई अवैध रास्ते भी दरिया तक जाने लिए बना रखे हैं।

लोगों की सूचना मिलने के बाद जब अमर उजाला की टीम ने गांव बेहड़ियां बुजुर्ग स्थित रावी दरिया का रूख कर स्थिति देखी गई तो देखा कि पोकलेन मशीनों से रावी दरिया और किनारों की खोदाई माफिया धड़ल्ले से कर रहा था। पोकलेन मशीनों से बड़े-बड़े टिप्परों को भरा जा रहा था। जिसे देख लगता है कि माफिया करीब 20 फीट तक खोदाई कर चुका था। वहीं, बाढ़ स्थिति में रावी दरिया का पानी ओवरफ्लो होने से जेएंडके वाली साइड हुए नुकसान के बाद डीसी कठुआ ने पूर्ण तौर पर किसी भी तरह की माइनिंग संबंधी पाबंधी लगा दी थी। जबकि जिला पठानकोट प्रशासन ने बाढ़ से हुए नुकसान के बाद भी कोई सबब नहीं लिया। एक्सईएन सिमरप्रीत सिंह संधू से जब रावी दरिया में अवैध खनन होने के आरोप संबंधी बातचीत की गई तो उन्होंने कहा कि वे आज एक टीम भेज जांच करवाएंगे कि कहां-कहां माफिया ने अवैध खनन को अंजाम दिया है। जो भी मौके पर हालात पाए जाएंगे उसके हिसाब से बनती कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

लुधियाना मुठभेड़ : राजस्थान के हैं दो घायल, आईएसआई हैंडलर जसवीर चौधरी ने ग्रेनेड हमला करने के लिए भेजे थे

लुधियाना (पंजाब) ।

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के हैंडलर जसवीर चौधरी नाम के व्यक्ति द्वारा पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए बार्डर एरिया में हैंड ग्रेनेड भेजे थे। जो आरोपी लेकर आए थे और आरोपियों ने सीमांत राज्यों के कई शहरों को टारगेट कर रखा था। जिससे पंजाब के साथ साथ पड़ोसी राज्यों की शांति भी भंग की जा सके। कमिश्नरेट पुलिस के साथ हुई आतंकियों की मुठभेड़ के बाद काबू किए गए राजस्थान के दोनों आरोपी दीपू और रामलाल से हुई पूछताछ में कई खुलासे हुए जिससे पुलिस को पता चला कि यह आतंकि मॉड्यूल कोई ओर नहीं बल्कि जसवीर उर्फ चौधरी चलाता है जो इस समय पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के साथ साथ कई आतंकी गुटों के साथ मिला हुआ है।

जो भारत में अशांति फैलाने की फिराक में थे। पाकिस्तान के हैंडलर जसवीर उर्फ चौधरी द्वारा विशेष रूप से राज्य में ग्रेनेड हमला करने के लिए भेजे गए ऑपरेटिव हैं। पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि आरोपी जसवीर उर्फ चौधरी सभी के टच में था। बिहार के अर्श ने ही दीपू और राम लाल को भी शामिल करवाया था। दोनों को टारगेट दिया गया था कि वह हैंड ग्रेनेड लेकर आए। लुधियाना से हैंड ग्रेनेड लेने के बाद ही आरोपियों ने आगे आदेश मिलने के बाद जाना था। दोनों आरोपी पिछले दो दिनों से यहां रहकर हमले को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने कहा इससे पहले लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस ने काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट के साथ मिलकर तीन आरोपियों फिरोजपुर के शमशेर सिंह जोकि पिछले छह महीने से बस्ती जोधेवाल एरिया में अपनी बहन के पास रह रहा था। हरियाणा के अजय और बिहार के हर्ष कुमार ओझा को गिरफ्तार कर इस मॉड्यूल का पर्दाफाश किया था। पुलिस ने पांच गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से दो चीनी 86पी हैंड ग्रेनेड, पांच.30 बोर पिस्टलें और लगभग 40 से ज्यादा जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि पुलिस ने आरोपी शमशेर सिंह की निशानदेही पर बिहार के हर्ष ओझा को गिरफ्तार किया और उसके बाद हरियाणा के अजय को गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से दो पिस्तौल बरामद की गई।

पंजाब के अग्निवीर की मौत- अप्रैल में भर्ती हुआ था जश्नप्रीत, ट्रेनिंग के बाद आना था घर, गांव में मातम

फिरोजपुर (पंजाब)। पंजाब के अग्निवीर सिपाही की ट्रेनिंग के दौरान मौत हो गई। फिरोजपुर के गांव लोहगढ़ के रहने वाले अग्निवीर सैनिक की दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई है। मृतक सिपाही जश्नप्रीत सिंह की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जश्नप्रीत सिंह की ट्रेनिंग झारखंड में चल रही थी। शुक्रवार को उसका पार्थिव शरीर गांव लोहगढ़ पहुंचा। गांव के श्मशानघाट में सैनिक का अंतिम संस्कार किया गया। गांव लोहगढ़ निवासी कर्ण सिंह ने बताया कि उसके बड़े भाई जश्नप्रीत सिंह की झारखंड में ट्रेनिंग के दौरान दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। जश्नप्रीत सिंह इसी साल अप्रैल में सेना में भर्ती हुआ था। वह ट्रेनिंग के लिए झारखंड गया था। वहां पर उसकी दौड़ते समय दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। कर्ण सिंह ने बताया कि कुछ दिनों बाद जश्नप्रीत को ट्रेनिंग खत्म होने वाली थी और वह छुट्टी पर घर आने वाला था। पांच साल पहले उनके पिता की मौत हो गई थी। पीड़ित परिवार की मांग है कि उनके छोटे बेटे को सेना में नौकरी दी जाए। गांव के श्मशान घाट में सैन्य सम्मान के साथ जश्नप्रीत का अंतिम संस्कार किया गया। इस दुखद घटना से पूरे गांव में मातम छाया हुआ है।

आज मामूली गिरावट के साथ खुले सेंसेक्स-निफ्टी

बिजनेस डेस्क। वैश्विक बाजारों के कमजोर रुख के बीच दो दिन की तेजी के बाद शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 285.28 अंक गिरकर 85,347.40 अंक पर आ गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 82.6 अंक गिरकर 26,109.55 अंक पर आ गया। वहीं विदेशों में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पूंजी निवेश के कारण शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया शुरुआती नुकसान से उबरकर पांच पैसे की मामूली बढ़त के साथ 88.63 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक, इटर्नल, अदानी पोर्ट्स, टाटा स्टील और पावर ग्रिड प्रमुख रूप से पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाइटन और एशियन पेंट्स लाभ में रहे।

एशियाई बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। कोस्पी 3 प्रतिशत से ज़्यादा नीचे कारोबार कर रहा था, जबकि निक्केई 225 सूचकांक 2 प्रतिशत से ज़्यादा गिरा। गुरुवार को अमेरिकी बाजार नकारात्मक दायरे में बंद हुए। नैस्डैक कंपोजिट में 2.15 प्रतिशत, एसएंडपी 500 में 1.56 प्रतिशत और डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.84 प्रतिशत की गिरावट आई।

बाजार में अस्थिरता का माहौल

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है। एआई व्यापार का बैरोमीटर नैस्डैक कल 2.15 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ, जो इंट्रा-डे पीक से 4.4 प्रतिशत नीचे था। बाजार में इस तरह की हलचल आगे और अस्थिरता का संकेत है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.26 प्रतिशत गिरकर 62.58 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 283.65 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 824.46 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। गुरुवार को सेंसेक्स 446.21 अंक या 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 85,632.68 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 615.23 अंक या 0.72 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर 85,801.70 पर पहुंच गया। निफ्टी भी कारोबार के दौरान 26,246.65 अंक के अपने 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर को छूने के बाद 139.50 अंक या 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 26,192.15 अंक पर बंद हुआ।

केंद्र का बड़ा प्रशासनिक फेरबदल: नीरज मित्तल बने पेट्रोलियम सचिव, कई मंत्रालयों में शीर्ष स्तर पर बदलाव

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने शीर्ष स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किया है। इसके तहत वरिष्ठ नौकरशाह नीरज मित्तल को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सचिव नियुक्त किया गया है। तमिलनाडु कैडर के 1992 बैच के आईएएस अधिकारी मित्तल फिलहाल दूरसंचार विभाग में सचिव के रूप में कार्यरत हैं। वे पंकज जैन की जगह लेंगे, जिन्हें हाल ही में आठवें केंद्रीय वेतन आयोग का सदस्य सचिव नियुक्त किया गया था। औषधि विभाग के सचिव अमित अग्रवाल को मित्तल के स्थान पर दूरसंचार सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं भूमि संसाधन विभाग के सचिव मनोज जोशी अग्रवाल के स्थान पर फार्मास्यूटिकल्स सचिव होंगे। 20 नवंबर को जारी आदेश में कहा गया है कि पर्यटन सचिव वी विद्यावती अब सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग में सचिव होंगी। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्रीवत्स कृष्णा, जो वर्तमान में अपने कैडर राज्य कर्नाटक में कार्यरत हैं, नए पर्यटन सचिव होंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय में विशेष सचिव अतीश चंद्रा को कृषि व किसान कल्याण विभाग में विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) नियुक्त किया गया है। अधिकारी 28 फरवरी, 2026 को देवेश चतुर्वेदी की सेवानिवृत्ति के बाद कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के कृषि और किसान कल्याण विभाग में सचिव का पदभार संभालेंगे। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने वर्तमान में विधि मामलों के विभाग में सचिव के रूप में कार्यरत अंजू राठी राणा को भारत के 23वें विधि आयोग के सदस्य सचिव के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा विधि व न्याय मंत्रालय के विधायी विभाग के सचिव राजीव मणि का कार्यकाल 9 जनवरी, 2026 से 31 जुलाई, 2028 तक मतलब उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि तक बढ़ाने को भी मंजूरी दी गई है। एसीसी ने मणि को विधि मामलों के विभाग के सचिव पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपने को भी मंजूरी दे दी है।

भारत-इस्राइल एफटीए : उद्योग मंत्री नीर बरकत बोले- संवेदनशील क्षेत्रों को शामिल न करने पर सहमत हैं दोनों देश

नई दिल्ली । भारत और इस्राइल के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इस्राइल के अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्री नीर बरकत ने यह कहा। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने 20 नवंबर को समझौते पर बातचीत शुरू करने के लिए टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीओआर) पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। बरकत ने कहा कि एफटीए वार्ताओं के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों को शामिल न करने पर भी दोनों देशों के बीच सहमति बन गई है। दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए अपार अवसर हैं। हम व्यापार में भारी वृद्धि देखेंगे। उन्होंने कहा कि बहुत सी इस्राइली कंपनियां भारत में अपना विस्तार करने में रुचि रखती हैं, जो उनके लिए एशिया के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य कर सकती हैं। बरकत ने कहा कि लोग अब समझ रहे हैं कि भारत में बड़े अवसर हैं, क्योंकि भारत अब बीते कल वाला भारत नहीं है। भारत चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने की अच्छी स्थिति में है। भारत और इस्राइल मई 2010 से इसी तरह के समझौते पर बातचीत कर रहे थे। आठ दौर की बातचीत हुई, लेकिन बाद में बातचीत रुक गई। आखिरी दौर अक्तूबर 2021 में हुआ था। 2024-25 के दौरान, इस्राइल को भारत का निर्यात 2023-24 के 4.52 अरब डॉलर से 52 प्रतिशत घटकर 2.14 अरब डॉलर रह गया। पिछले वित्त वर्ष में आयात भी 26.2 प्रतिशत घटकर 1.48 अरब डॉलर रह गया। वहीं द्विपक्षीय व्यापार 3.62 अरब डॉलर रहा। भारत एशिया में इस्राइल का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। द्विपक्षीय वस्तु व्यापार में मुख्य रूप से हीरे, पेट्रोलियम उत्पाद और रसायनों का प्रभुत्व है, हाल के वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक मशीनरी और उच्च तकनीक उत्पादों, संचार प्रणालियों और चिकित्सा उपकरणों जैसे क्षेत्रों में व्यापार में वृद्धि देखी गई है।भारत से इस्राइल को प्रमुख निर्यात वस्तुओं में मोती और कीमती पत्थर, ऑटोमोटिव डीजल, रासायनिक और खनिज उत्पाद, मशीनरी और विद्युत उपकरण, प्लास्टिक, वस्त्र, परिधान, आधार धातुएं और परिवहन उपकरण व कृषि उत्पाद शामिल हैं। आयात में मोती और कीमती पत्थर, रासायनिक और खनिज/उर्वरक उत्पाद, मशीनरी और विद्युत उपकरण, पेट्रोलियम तेल, रक्षा, मशीनरी और परिवहन उपकरण शामिल हैं। सितंबर में दोनों देशों ने दोतरफा निवेश को बढ़ावा देने के लिए द्विपक्षीय निवेश समझौते (बीआईए) पर हस्ताक्षर किए।

भारत की चिप मेकिंग स्पीड ने चौंकाया! अमेरिका-चीन को जल्द देगा टक्कर

बिजनेस डेस्क। भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण तेजी से रफ्तार पकड़ रहा है और सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले दशक में भारत, अमेरिका और चीन जैसे चिप निर्माण महाशक्तियों के साथ बराबरी की स्थिति में पहुंचे। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज कहा कि भारत की घरेलू सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री अगले 7-8 वर्षों में ग्लोबल लेवल पर बड़ा स्थान हासिल कर सकती है। भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण तेजी से रफ्तार पकड़ रहा है और सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले दशक में भारत, अमेरिका और चीन जैसे चिप निर्माण महाशक्तियों के साथ बराबरी की स्थिति में पहुंचे। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को कहा कि भारत की घरेलू सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री अगले 7-8 वर्षों में ग्लोबल लेवल पर बड़ा स्थान हासिल कर सकती है। यह लक्ष्य सरकार के 10 अरब डॉलर के सेमीकंडक्टर इंसेंटिव प्रोग्राम के तहत मैन्युफैक्चरिंग, असेंबली और डिजाइन क्षमताओं को बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। सिंगापुर में ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम के दौरान वैष्णव ने कहा कि ब्लूप्रिंट तैयार करने से लेकर इसे जमीनी स्तर पर लागू करने तक, भारत की प्रगति उम्मीद से कहीं ज्यादा तेज रही है। उनके अनुसार, ÷2031ङ्क32 तक भारत कई चिप निर्माण देशों की आज की स्थिति के बराबर पहुंच जाएगा, जहां ग्लोबल स्तर पर समान प्रतिस्पर्धा का माहौल होगा। पिछले तीन वर्षों में भारत ने सेमीकंडक्टर सेक्टर की मजबूत नींव तैयार कर ली है। Micron Technology ने गुजरात में टेस्टिंग और पैकेजिंग प्लांट पर काम शुरू किया है। Tata Group भी देश में सिलिकॉन चिप निर्माण शुरू करने की तैयारी में है। सरकार का कहना है कि अगले साल की शुरुआत में तीन भारतीय चिप प्लांट व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर देंगे, जो देश की चिप मेकिंग क्षमता में बड़ा कदम होगा। दुनिया भर में ताइवान, दक्षिण कोरिया, अमेरिका, चीन और जापान जैसे देश,द्ध इलेक्ट्रिक वाहनों और एडवांस्ड कंप्यूटिंग के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर अपनी चिप निर्माण क्षमता बढ़ा रहे हैं। वैष्णव ने कहा कि भारत की असली ताकत सिर्फ निवेश में नहीं, बल्कि इंजीनियरिंग टैलेंट, डिज़ाइन क्षमताओं और जटिल समस्याओं को हल करने की योग्यता में है। उनकी मानें तो ये तत्व भारत को ग्लोबल चिप दौड़ में आगे बढ़ने में मदद करेंगे।

भारत का लक्ष्य प्रतिस्पर्धा नहीं, अपनी क्षमता बढ़ाना है

मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत का उद्देश्य किसी देश को नुकसान पहुंचाना नहीं है, बल्कि अपनी टेक्नोलॉजिकल क्षमताओं को मजबूत बनाना है।

उन्होंने कहा कि, हमें अपनी सीमाओं और क्षमता को मजबूत करना है, न कि दूसरों को कमजोर करने की कोशिश करनी है। यही हमारे प्रधानमंत्री का विज़न भी है। डिजिटल संप्रभुता के बढ़ते महत्व की ओर इशारा करते हुए उन्होंने बताया कि आज हर देश अपने तकनीकी भविष्य पर नियंत्रण बनाए रखने की दिशा में रणनीतिक तौर पर आगे बढ़ रहा है, और भारत भी इसी लक्ष्य के साथ अपनी सेमीकंडक्टर यात्रा को आगे बढ़ा रहा है।

ज़ोमैटो के कस्टमर डेटा शेयरिंग पर बवाल, निजता के हनन की आशंका, प्राइवेसी की आड़ में बिछेगा स्पैम का जाल!

बिजनेस डेस्क। खाने के शौकीनों, ध्यान दें! अगली बार जब आप हमारे पास आएं तो अपनी पसंदीदा डिश पर Rs 200 की सीधी छूट पाने के लिए कोड ××× का इस्तेमाल करें। ऐसे प्रमोशनल मैसेज जल्द ही आपके इनबॉक्स में आ सकते हैं क्योंकि फूड डिलीवरी की बड़ी कंपनी ज़ोमैटो ने रेस्टोरेंट के साथ कस्टमर डेटा शेयर करना शुरू करने का फ़ैसला किया है, जिससे रेस्टोरेंट इंडस्ट्री के साथ सालों से चली आ रही लड़ाई खत्म हो जाएगी। यह मुद्दा पहले ही तूफ़ान मचा चुका है, जिसमें नेताओं और मार्केटिंग गुरुओं ने डेटा प्राइवेसी और कस्टमर की जानकारी के संभावित गलत इस्तेमाल को लेकर चिंता जताई है। ज़ोमैटो, नेशनल रेस्टोरेंट्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के साथ बातचीत कर रहा है, जो 5,00,000 से ज़्यादा रेस्टोरेंट की एक अंब्रेला बॉडी है, ताकि खाने की जगहों के साथ कस्टमर डेटा शेयर करना शुरू किया जा सके। बिज़नेस टुडे की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ज़ोमैटो के कॉम्पिटिटर स्विगी के साथ भी इसी तरह की बातचीत चल रही है। अभी, फ़ूड डिलीवरी प्लेटफ़ॉर्म कस्टमर डेटा को छिपाते हैं, जिसका मतलब है कि रेस्टोरेंट के पास आपके फ़ोन नंबर और दूसरी पर्सनल डिटेल्स का एक्सेस नहीं होता है। कई सालों से यह मुद्दा एग्रीगेटर्स और रेस्टोरेंट्स के बीच झगड़े का सेंटर रहा है। पायलट के तौर पर, ज़ोमैटो ने कस्टमर्स को पॉप-अप भेजना शुरू किया है, जिसमें मार्केटिंग और प्रमोशनल मैसेज के लिए रेस्टोरेंट्स के साथ अपना फ़ोन नंबर शेयर करने की परमिशन मांगी जा रही है। हालांकि, एक बार शेयर करने के बाद, यूज़र जानकारी वापस नहीं ले सकता। टेक्स्ट में लिखा है, मैं रेस्टोरेंट्स को प्रमोशनल एक्टिविटीज़ के लिए मुझसे संपर्क करने की परमिशन देता हूं। क्या ज़ोमैटो का यह कदम मुसीबत का कारण बनेगा? इस बारे में गहराई से जानने से पहले, आइए समझते हैं कि अब तक क्या होता था। अभी, ज़ोमैटो या स्विगी ऐप से ऑर्डर करने वालों के पास अपने खाने में किसी भी ज़रूरी बदलाव के लिए सीधे रेस्टोरेंट को कॉल करने या मैसेज भेजने का ऑप्शन होता है। हालांकि, रेस्टोरेंट्स सीधे कस्टमर से कॉन्टैक्ट नहीं कर सकते क्योंकि फ़ूड प्लेटफ़ॉर्म फ़ोन नंबर शेयर नहीं करते हैं। ये प्लेटफ़ॉर्म रेस्टोरेंट्स के साथ सिर्फ़ कुछ खास मैक्रो-लेवल डेटा शेयर करते हैं, जैसे एक तय दायरे से ऑर्डर करने वाले लोगों की संख्या, लेकिन कस्टमर से जुड़ी खास डिटेल्स नहीं। इससे रेस्टोरेंट्स के मुंह में कड़वाहट आ गई। NRAI ने पहले कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ़ इंडिया में ज़ोमैटो और स्विगी के खिलाफ़ एंटी-कॉम्पिटिटिव प्रैक्टिस के लिए शिकायत दर्ज की थी। रेस्टोरेंट की बॉडी ने फ़ूड एग्रीगेटर्स द्वारा भारी डिस्काउंट और भारी कमीशन के मामलों को भी बताया, जो कुछ मामलों में 35फीसदी तक बढ़ गया था। असल में, ज़ोमैटो जैसे फ़ूड डिलीवरी प्लेटफ़ॉर्म का आना और उन्हें बड़े पैमाने पर मंज़ूरी मिलना, जहाँ कोई भी घर बैठे अपनी पसंदीदा बिरयानी या पनीर टिका मंगवा सकता है, रेस्टोरेंट सेक्टर में सबसे बड़ी रुकावट रहा है। और यह और बढ़ने वाला है, रिपोर्ट्स में साल-दर-साल 18फीसदीकी ग्रोथ का अनुमान लगाया गया है। रेस्टोरेंट्स की मुख्य शिकायत यह रही है कि डेटा छिपाने से वे सीधे कस्टमर्स से जुड़ नहीं पाते थे। ज़रूरी डिटेल्स शेयर करने से वे कंजम्पशन पैटर्न को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे और कस्टमर्स के लिए उन्हें पर्सनलाइज़ कर पाएंगे। इससे रेस्टोरेंट्स अपनी मार्केटिंग कॉस्ट को भी ठीक से चैनल कर पाएंगे। उदाहरण के लिए, अगर फ़ूड ऑर्डर में कोई समस्या है या अगर वे कोई पसंद कन्फ़र्म करना चाहते हैं तो रेस्टोरेंट्स सीधे यूज़र को कॉल कर सकते हैं। हालांकि, इस मुद्दे से प्राइवेसी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है, सोशल मीडिया यूज़र्स का कहना है कि इससे स्पैम मैसेज आने लगेंगे। राज्यसभा MP मिलिंद देवड़ा और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी पर स्टैंडिंग कमिटी की मेंबर प्रियंका चतुर्वेदी ने इस कदम का कड़ा विरोध किया है।

शिवसेना के देवड़ा ने ट्वीट किया, ÷तो, ज़ोमैटो और स्विगी कस्टमर के मोबाइल नंबर रेस्टोरेंट के साथ शेयर करने का प्लान बना रहे हैं। इससे प्राइवेसी रिस्क और बेहतर सर्विस की आड़ में और स्पैम का रास्ता खुल जाता है। हमें नए DPDP रूल्स के हिसाब से साफ, साफ़ ऑप्ट-इन गाइडलाइंस चाहिए, ताकि कंज्यूमर्स के डेटा का सम्मान हो सके।

माननीय प्रधानमंत्री-भारत सरकार, श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री, श्रीमती रेखा गुप्ता जी

पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल का कमाऊ पूत था।

डी.एस.आई.आई.डी.सी के

अधिशासी व सहायक अभियंताओं द्वारा विकास एवं निर्माण कार्य में

कराऐं गए व कराऐं जा रहे विकास एवं निर्माण कार्य में बेहद घटिया निर्माण सामग्री व फर्जी बिल लगाकर।

करोड़ो के घोटाले भ्रष्टाचार की जांच

श्रीमान निदेशक, सीबीआई, भारत सरकार से कराई जाएं।

अनाधिकृत कॉलोनियों के विकास एवं निर्माण कार्य में फर्जी बिल लगाकर लूट रहे है सरकारी खजाने को।

DSIIDC, CD-04, CD-05, CD-06, CD-07 के अधिशासी, सहायक, कनिष्ठ अभियंताओं ने ठेकेदारों से मिलीभगत कर दिल्ली के विधानसभा क्षेत्रों के विकास एवं निर्माण कार्य में घटिया निर्माण सामग्री और फर्जी बिल बनाकर कर रहे है अपना समाजवाद दूर!

निवेदक- अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा

(विज्ञापन)

श्रेयस अय्यर की चोट को लेकर आया बड़ा अपडेट, जानिए कब करेंगे मैदान पर वापसी?

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीसरे वनडे में चोटिल हुए भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की वापसी का सभी को इंतजार है। वह वनडे टीम के उप-कप्तान हैं और ऐसे में टीम को उनकी जरूरत है। टीम इंडिया इस समय साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रही हैं। इसके बाद उसे वनडे सीरीज भी खेलनी है जिसमें उसे अय्यर की जरूरत होगी। ऐसे में सभी की नजरें अय्यर की फिटनेस पर टिकी हैं। अय्यर को तीसरे वनडे में कैच लेते हुए चोट लग गई थी। वह भागते हुए गेंद को लपकने गए थे और कैच लेते हुए गिर गए थे जिससे उन्हें पसलियों में चोट लगी थी। वह आईसीयू में भर्ती रहे थे। वह इस समय अपनी चोट पर काम कर रहे हैं और जल्दी से जल्दी वापसी करने की कोशिश कर रहे हैं।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, अय्यर दो से तीन महीने तक अभी क्रिकेट से दूर रहेंगे। मेडिकल टीम ने उन्हें इस समय हाई इंटेंसिटी वर्कआउट करने को मना किया है और वह उनके रिहैब कार्यक्रम को काफी करीब से देख रही है। अय्यर अपने देश लौट आए हैं और लगातार मेडिकल टीम की निगरानी में हैं। उनका हाल ही में यूएसजी स्कैन हुआ था और दिनशॉ पाडीवाल ने उनकी रिपोर्ट देखी थीं। हालिया रिपोर्ट में कुछ सुधार तो देखने को मिले हैं लेकिन, अभी और काम किया जाना है। हालिया जांच के बाद ये कहा जा सकता है कि अय्यर को मैदान में वापसी में कम से कम दो से तीन महीने का समय लगेगा। उन्हें ऐसा काम करने से मना किया गया है जिससे उनकी चोट और ज्यादा गहरी हो जाए। दो महीने बाद उनका फिर से यूएसजी स्कैन होगा। इसके बाद ही उनकी मैदान पर वापसी संभव हो सकेगी। ये देखते हुए अय्यर का साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जाने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में न खेलना तय है। इसके अलावा न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली सीरीज में भी उनके खेलने की संभावना बनती नहीं दिख रही है।

भूकंप की वजह से रोका गया मैच, झटकों से दहला बांग्लादेश, ड्रेसिंग रूम से बाहर जमा हुए विदेशी खिलाड़ी

नई दिल्ली।

बांग्लादेश और आयरलैंड के बीच खेले जा रहे टेस्ट मैच को ऐसे करण से रोका गया जिसकी कल्पना मेहमान टीम ने कभी नहीं की थी. शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम, मीरपुर में शुक्रवार को बांग्लादेश और आयरलैंड के बीच दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन के पहले सेशन के दौरान भूकंप आने से खेल रोक दिया गया. कमेंट्री बॉक्स में मौजूद कमेंटेटरों ने बताया कि भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे आयरलैंड के खिलाड़ी अपने ड्रेसिंग रूम से बाहर आकर बाउंड्री के पास इकट्ठा हो गए. स्टैंड्स में बैठे दर्शक भी थोड़े हिल गए, लेकिन थोड़ी देर बाद खेल फिर से शुरू हो गया. पहले सेशन में आयरलैंड की टीम ने 2 विकेट खोने के बावजूद संभलकर बल्लेबाजी करते हुए स्कोर 113 रन तक पहुंचाया. आयरलैंड के 98 रन पर 5 विकेट गिरने के बाद जब टीम दबाव में थी तो स्टीफन डोहनी और लोरकन टकर ने टीम के स्कोर को आगे बढ़ाया.

उनकी 81 रन की साझेदारी ने आयरलैंड को मुश्किल से निकाला. इससे पहले कि भूकंप ने ढाका को हिला दिया. दूसरे दिन सीनियर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम और लिटन दास के शतकों ने बांग्लादेश को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया. 5 विकेट के नुकसान पर टीम ने 340 रन से आगे खेलते हुए टीम ने 476 रन का स्कोर खड़ा कर दिया. इसमें अनुभवी खिलाड़ियों के बीच 123 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी का बड़ा योगदान था. 99 रन पर खेल रहे मुशफिकुर ने एक सिंगल लेकर अपना 13वां टेस्ट शतक पूरा किया और अपने 100वें टेस्ट में शतक बनाने वाले ग्यारहवें क्रिकेटर बने. उन्हें डेब्यूटेंट मैथ्यू हम्फ्रीज ने 106 रन पर आउट किया. लिटन ने भी आक्रामक अंदाज में शतक पूरा किया, एक छक्का और एक चौका मारकर तीन अंकों तक पहुंचे.

ऑस्ट्रेलियन ओपन में भारत की उम्मीदें कायम, लक्ष्य सेन ने आयुष को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

सिडनी । ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय शटलर लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने अपने हमवतन और युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी को सीधे सेटों में 23-21, 21-11 से पराजित किया। यह मुकाबला शुक्रवार को सिडनी में खेला गया। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन ने इस साल पहले भी हॉन्गकॉन्ग ओपन में शेट्टी को इसी चरण में हराया था। इस जीत ने लक्ष्य की लय और आत्मविश्वास दोनों को मजबूती दी है, खासकर तब जब वे इस सत्र में अभी तक कोई खिताब नहीं जीत सके हैं।

पहला गेम-रोमांचक मुकाबला

पहला गेम बेहद कड़ा और उतार-चढ़ाव भरा रहा। शुरूआत में लक्ष्य पीछे चल रहे थे और आयुष शेट्टी 9-6 की बढ़त लिए हुए थे, लेकिन लक्ष्य ने शानदार वापसी करते हुए लगातार 4 अंक लेकर 13-10 की बढ़त बना ली। इसके बावजूद शेट्टी ने हार नहीं मानी और लगातार रैलियों में लय बनाए रखी। स्कोर 21-21 पर बराबरी पर था, लेकिन आखिरकार अनुभव और संयम ने लक्ष्य सेन को पहला गेम 23-21 से दिला दिया।

दूसरा गेम- लक्ष्य का दबदबा

दूसरे गेम में लक्ष्य का आत्मविश्वास पूरी तरह नजर आया। उन्होंने शुरुआत से ही 6-1 की बढ़त बना ली और फिर शेट्टी मैच की रफ्तार पकड़ नहीं पाए। जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ा, लक्ष्य और मजबूती से खेलते गए और स्कोर 15-7 तक पहुंच गया। अंत में लक्ष्य सेन ने 21-11 से गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया।

अब मुकाबला चीनी ताइपे के चोउ तियेन चेन से

सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन का सामना टूर्नामेंट के दूसरे सीड चोउ तियेन चेन से होगा। चेन वर्तमान में विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर हैं और 2018 एशियन गेम्स के सिल्वर मेडलिस्ट भी रह चुके हैं। उन्होंने कड़े मुकाबले में फरहान अल्वी को 13-21, 23-21, 21-16 से हराया।

अन्य भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन

पुरुष सिंगल्स में लक्ष्य सेन अब अकेले भारतीय खिलाड़ी बचे हैं, क्योंकि एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत पहले ही बाहर हो चुके हैं। पुरुष डबल्स में शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी क्वार्टर फाइनल में उतरेंगे। उनका सामना पांचवीं सीड वाली इंडोनेशियाई जोड़ी फजर अल्फियान और मोहम्मद फिक्रि से होगा। यह मुकाबला भी काफी रोमांचक होने की उम्मीद है।

दूसरे टेस्ट से भी बाहर हुए कप्तान शुभमन, इलाज के लिए मुंबई जाएंगे, गुवाहाटी में पंत संभालेंगे कमान

मुंबई ।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेली जा रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज से एक बड़ा अपडेट सामने आया है। कप्तान शुभमन गिल दूसरे टेस्ट से भी बाहर हो गए हैं। उन्हें पहले टेस्ट के दौरान बल्लेबाजी करते समय गर्दन में चोट लगी थी। इसके बाद वह पहली पारी में ठीक से बल्लेबाजी नहीं कर पाए थे और रिटायर्ड हर्ट हुए थे और फिर दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे थे। उन्हें तुरंत चेक अप के लिए ले जाया गया था। अब वह दूसरे टेस्ट से भी बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने जानकारी देते हुए बताया कि, टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल, जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान गर्दन की चोट से जूझ रहे थे, वह गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। गिल को कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गर्दन में चोट लगी थी और दिन का खेल खत्म होने के बाद उन्हें जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया था। उन्हें निगरानी में रखा गया और अगले दिन डिस्चार्ज कर दिया गया। इसके बाद 19 नवंबर 2025 को वे गुवाहाटी पहुंचे। हालांकि, वे पूरी तरह फिट नहीं हो पाए हैं और इसी कारण वे दूसरे टेस्ट में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। आगे की जांच और इलाज के लिए अब वे मुंबई रवाना होंगे। उनकी गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी ऋषभ पंत करेंगे।

भारत के लिए बड़ा झटका

भारत के लिए यह बड़ा झटका है क्योंकि टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट हार गई थी। टीम 124 रन के लक्ष्य को भी नहीं हासिल कर सकी थी और 30 रन पीछे रह गई थी। तब गिल की कमी काफी खली थी। अब दूसरे टेस्ट में उनकी गैरमौजूदगी से नुकसान हो सकता है। भारत पहले ही 0-1 से पीछे है और क्लीन स्वीप का खतरा मंडरा रहा है।

पंत पहली बार करेंगे टेस्ट में कप्तानी

पंत टेस्ट में पहली बार कप्तानी करते दिखेंगे। यह उनके लिए खुद को साबित करने का बड़ा मौका है। पंत पिछले टेस्ट में कुछ खास बल्लेबाजी नहीं कर सके थे। पहली पारी में वह 27 रन और दूसरी पारी में दो रन बनाकर आउट हुए थे। अब वह अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को जीत दिलाकर सीरीज में वापसी कराना चाहेंगे। यह भारत के लिए अहम मुकाबला है। गिल की जगह साई सुदर्शन को चौथे नंबर पर खेलने का मौका मिल सकता है। या फिर गंभीर की ऑलराउंडर वाली रणनीति के तहत नीतीश रेड्डी को भी मौका दिया जा सकता है।

पर्थ में स्टार्क का कहर, 7 विकेट लेकर बनाया रिकॉर्ड, 35 साल में ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज

पर्थ । पर्थ में जारी एशेज के पहले टेस्ट में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क का कहर देखने को मिला। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम अपनी पहली पारी में 33 ओवर के अंदर 172 रन पर सिमट गई। स्टार्क ने कहर बरपाते हुए 58 रन देकर सात विकेट झटके। उन्होंने जैक क्राउली (0), बेन डकेट (21), जो रूट (0), कप्तान बेन स्टोक्स (6), जेमी स्मिथ (33), गस एटकिंसन (1) और मार्क वुड (0) के विकेट लिए। यह उनकी टेस्ट करियर की अब तक की सबसे बेहतरीन गेंदबाजी है। यह पर्थ स्टेडियम में अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत गेंदबाजी रिकॉर्ड भी है। स्टार्क 21वीं सदी में घरेलू एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए एक पारी में सात विकेट लेने वाले सिर्फ दूसरे गेंदबाज हैं। वहीं, वह 35 साल में एशेज टेस्ट के पहले दिन सात विकेट लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं। उनसे पहले 1990 में वाका में क्रेग मैकडरमॉट ने ऐसा किया था। स्टार्क के हर स्पेल में स्विंग और पेस का शानदार कॉम्बिनेशन देखने को मिला। उन्होंने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को शॉर्ट और फुल लेंथ, दोनों तरह की गेंदों पर परेशान किया। इंग्लैंड ऑस्ट्रेलिया के अपने पिछले कई दौरे पर पहले टेस्ट में ओपनिंग में संघर्ष करता आया है। इस मैच में क्राउली और डकेट की जोड़ी नहीं चली। शून्य के स्कोर पर इंग्लैंड को पहला झटका लगा और क्राउली पारी के पहले ओवर में खाता खोले बिना आउट हुए। यह रिकॉर्ड दिखाता है कि

इंग्लैंड के ओपनर्स को शुरुआत में एडजस्ट करने में समय लगता है और वे ऑस्ट्रेलियाई बाउंस और पेस को नहीं समझ पाते हैं। 2010/11 के बाद से ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहले टेस्ट की पहली पारी इंग्लैंड की ओपनिंग साझेदारी इस प्रकार रही है- स्टार्क ने फिर साबित किया कि क्यों उन्हें दुनिया के सबसे खतरनाक नई गेंद गेंदबाजों में गिना जाता है। अपने टेस्ट डेब्यू के बाद से वह टेस्ट में पारी के पहले ओवर में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। स्टार्क के नाम 24 विकेट हैं, जबकि इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन 19 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

पहले ही ओवर में विकेट लेकर मैच का रुख बदल देना स्टार्क की पहचान बन चुका है। बेन स्टोक्स भले ही इंग्लैंड के सबसे बड़े मैच-विनर हों, लेकिन स्टार्क के सामने उनका रिकॉर्ड बेहद खराब है। स्टोक्स स्टार्क के खिलाफ टेस्ट में 22 पारियों में 10 बार आउट हो चुके हैं। इस दौरान इंग्लिश कप्तान ने 304 गेंदें खेली हैं और 190 रन बनाए हैं। स्टार्क के खिलाफ स्टोक्स का औसत 19 का है। इन 10 में से पांच बार स्टार्क ने स्टोक्स को क्लीन बोल्ड किया है। स्टार्क की इन-स्विंगर स्टोक्स की सबसे बड़ी कमजोरी साबित हुई है। पर्थ में पहले टेस्ट में भी स्टार्क ने स्टोक्स को इन स्विंगर पर क्लीन बोल्ड किया। इंग्लैंड की टीम सिर्फ 197 गेंदों में ऑल आउट हो गई, जो ऑस्ट्रेलिया में एशेज इतिहास की तीसरी सबसे छोटी पहली पारी है। इससे पहले 1887 में इंग्लैंड की टीम 143 गेंदों पर सिमट गई थी। वहीं, 1902 में ऑस्ट्रेलियाई पारी 193 गेंदों पर समाप्त हुई थी। स्टार्क ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार साबित किया है कि वह दुनिया के सबसे खतरनाक तेज गेंदबाजों में शामिल हैं। उनके करियर में कई यादगार स्पेल रहे हैं, लेकिन तीन प्रदर्शन सबसे खास हैं। 58 रन देकर सात विकेट टेस्ट में उनकी सबसे घातक गेंदबाजी है। इससे पहले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया।

श्री श्रवण कुमार, अधीक्षण अभियंता, पी.एम शिक्षा-2 के संरक्षण में

लो.नि.वि, शिक्षा दक्षिण-पश्चिमी अनु. डिवीजन कार्यालय बना भ्रष्टाचार का अड्डा!

कार्यपालक, सहायक, कनिष्ठ अभियंता बने "अडानी"

वर्तमान ई.ई श्री राजेश कुमार, पूर्व ई.ई श्री विनोद कुमार पाराशर, उपखण्ड-1,2,3,4 ए.ई श्री एम.के वर्मा, विजय प्रकाश मीणा, जे.ई श्री अफ़ज़ल आलम, श्री अमित कुमार मीणा, श्री शुभम, श्री वैभव वर्मा, श्री विकास गौतम व ठेकेदार से मिलीभगत कर विधालय भवन निर्माण में बेहद घटिया निर्माण सामग्री व अतिरिक्त वस्तु (Extra Item) व निर्माण कार्य की लागात को बढ़ाकर (Deviations) कर दिल्ली सरकार के खजाने की खुली लूट की

श्री प्रवीण सूद, निदेशक, सीबीआई, भारत सरकार से जांच की मांग

New School Building at Naseerpur, New Delhi

School Building at durga park, dwarka

School Building at Sector-16, Dwarka

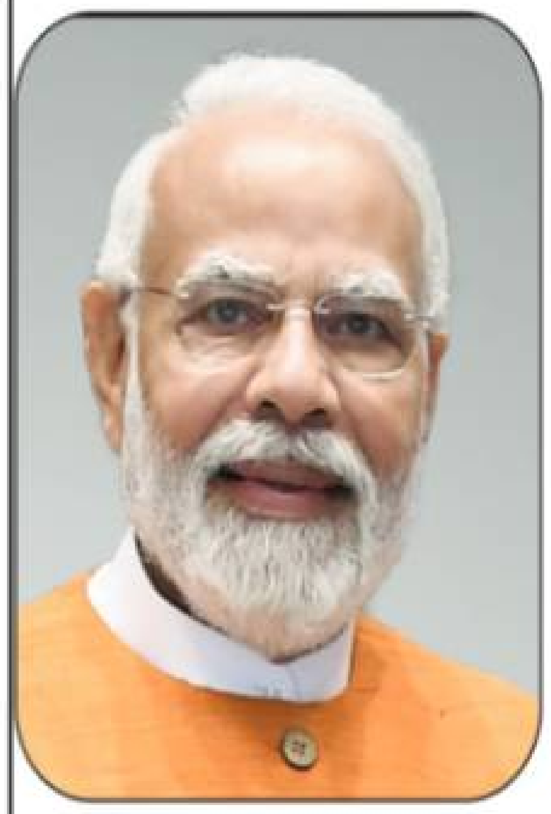

माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी, श्री अमित शाह, केन्द्रीय गृहमंत्री

से विन्रम निवेदन है कि लो.नि.वि के शिक्षा दक्षिण-पश्चिम अनुरक्षण डिवीजन के कार्यालय में तकरीबन चार वर्षो से किराए गए व कराए जा रहे है विधालयों के भवन निर्माण कार्यो की जांच सीबीआई से कराने के आदेश करें।

कार्यपालक, सहायक व कनिष्ठ अभियंता स्कूलों निर्माण कार्यो में घटिया निर्माण सामग्री, Extra Item, Deviations कर बने 'अडानी'

करोड़ो रूपये की बेनामी सम्पत्ति खरीदी अपने व अपने रिश्तेदारों के नाम, महंगी-महंगी लग्जरी कारों से चलते है, स्वयं व इनके परिवार एप्पल का मोबाईल व लेपटॉप और पी.पी.डिजाईनर के कपड़े, रोलेक्स की घड़ी, बूची के जूते, लग्जरी कारो स्वंय व परिवार के लिए प्राईवेट ड्राइवर 20-20 हजार प्रतिमाह, शाम का डिनर बड़े रेस्टुरेंट, होटल और क्लबों और लाखों की ज्वैलरी और अडानी की तरह आलीशान जिन्दगी जी रहे है।

निवेदक: अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा

विज्ञापन-जनहित में जारी.....

Email: abnmdp@gmail.com

कर्तव्य का पद, शक्ति का नहीं: सीजेआई गवई ने 41 साल के सफर को बताया संतोषजनक, बोले- न्यायपालिका का कप्तान बनना सौभाग्य की बात

नई दिल्ली। 23 नवंबर को अपनी सेवानिवृत्ति से पहले, सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अपना विदाई भाषण देते हुए, मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने गुरुवार को कहा कि उनके 41 साल के करियर का सबसे बड़ा सौभाग्य उस समय भारतीय न्यायपालिका का नेतृत्व करना था जब देश भारतीय संविधान के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है। उन्होंने अपने अंतिम संबोधन में संवैधानिक मील के पत्थर को केंद्र में रखते हुए कहा कि यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैं उस समय भारतीय न्यायपालिका का कप्तान था जब भारत भारतीय संविधान के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहा था। गवई ने अपने कार्यकाल के मार्गदर्शक सिद्धांतों पर विचार किया और याद दिलाया कि संविधान, जैसा कि डॉ. अंबेडकर ने कहा था, एक विकासशील दस्तावेज़ है, देश की बदलती आकांक्षाओं के अनुकूल ढलता रहा है।

उन्होंने कहा कि उनके न्यायिक दर्शन को डॉ. बीआर अंबेडकर और उनके पिता ने गहराई से आकार दिया है। उन्होंने कहा, डॉ. अंबेडकर के 25 नवंबर के भाषण में हमेशा सामाजिक न्याय की वकालत की गई, और आगे कहा कि उन्होंने मौलिक अधिकारों और नीति निर्देशक सिद्धांतों के बीच संतुलन बनाकर न्याय करने की जहाँ तक संभव हो सका, कोशिश की। भावुक होते हुए, गवई ने स्वीकार किया कि मेरी आवाज़ रुँधी हुई और भावनाओं से भरी हुई है, और उन्होंने अपने पेशेवर सफ़र को बेहद संतोषजनक बताया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि न्यायाधीशों को अपनी भूमिका विनम्रता से निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक न्यायाधीश के तौर पर, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि यह कोई शक्ति का पद नहीं, बल्कि कर्तव्य का पद है। मुख्य न्यायाधीश मनोनीत न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने गवई की विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित की, उनके नेतृत्व की प्रशंसा की और उनकी आवाज को स्पष्ट, सिद्धांतबद्ध और निर्णायक बताया। उन्होंने आगे कहा कि मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सुप्रीम कोर्ट एक बहुत ही महान संस्था है। सिर्फ़ जज ही नहीं, बल्कि पूरा सुप्रीम कोर्ट, बार, रजिस्ट्री और कर्मचारी ही फ़ैसले लेने में अहम भूमिका निभाते हैं।

आप ने साधा निशाना- समिति के बहाने जनता का ध्यान भटका रही बीजेपी, दिल्ली दम तोड़ रही

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार आठवीं दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति का राजनीतिकरण कर रही है। पार्टी ने एक बयान में कहा कि वह कई विशेष बैठकें बुलाकर और तथाकथित फांसी घर मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पूर्व अध्यक्ष राम निवास गोयल और पूर्व उपाध्यक्ष राखी बिड़ला को नोटिस जारी कर रही है।

आप ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि भाजपा सरकार दिल्ली के गहराते पर्यावरणीय संकट और चरमराती सार्वजनिक सेवाओं से ध्यान हटाने के लिए विधायी समितियों का हथियार बना रही है। आप ने विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही के मूल आधार पर ही सवाल उठाया। पार्टी ने कहा कि विशेषाधिकार समिति द्वारा उद्धृत घटना अगस्त 2022 में सातवीं विधानसभा के कार्यकाल के दौरान हुई थी। उन्होंने आगे कहा कि वह विधानसभा फरवरी 2025 में भंग कर दी गई थी। एक बार विधानसभा भंग हो जाने पर, उसके विशेषाधिकार और कार्यवाही समाप्त हो जाती है।

आठवीं विधानसभा पिछले कार्यकाल से संबंधित मामलों पर विशेषाधिकार प्राप्त कार्रवाई शुरू या जारी नहीं रख सकती। आप ने अमरिंदर सिंह बनाम पंजाब विधानसभा (2010) में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का हवाला दिया और कहा कि विशेषाधिकार समिति की कार्रवाई कानूनी रूप से अस्थिर, प्रक्रियात्मक रूप से अस्थिर और पूरी तरह से राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित है। आप ने कहा कि यह बेहद चौंकाने वाला है कि भाजपा सरकार ने दिल्ली के बढ़ते प्रदूषण संकट की अनदेखी करते हुए विशेषाधिकार समिति की विशेष बैठक बुलाई। पार्टी ने कहा कि डॉक्टर अब सार्वजनिक रूप से परिवारों को सलाह दे रहे हैं कि अगर उनके छोटे बच्चे या बुजुर्ग सदस्य हैं तो वे दिल्ली छोड़ दें। इसमें आगे कहा गया है पूर्व एम्स निदेशक ने आगाह किया है कि दिल्ली में व्याप्त ज़हरीला धुआँ अब कोविड-19 से भी ज़्यादा मौतों का कारण बन रहा है।

उपराज्यपाल ने पुलिस को दिए निर्देश- अमोनियम नाइट्रेट की बिक्री पर सख्त निगरानी की जाए

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल ने लाल किला क्षेत्र में हाल ही में हुए विस्फोट के मद्देनजर, पुलिस को अमोनियम नाइट्रेट जैसे खतरनाक रसायनों के निश्चित सीमा से अधिक की बिक्री का रिकॉर्ड बनाए रखने का निर्देश दिया है। यह आदेश सुरक्षा चिंताओं को दूर करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से जारी किया गया है। फरीदाबाद के धौज स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी से सामने आए व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल को पकड़ने में कुछ और समय सुरक्षा एजेंसियों को लगता तो इनका नेटवर्क कई गुणा बढ़ सकता था। डॉ. मुजमिल, डॉ. उमर व डॉ. शाहीन आदि इस नेटवर्क को तेजी से फैला रहे थे। इस काम में उनकी मदद इलाके का मौलवी इश्तियाक मोहम्मद खुलकर करने लगा था। वह इलाके के रहने वाले 10 से अधिक लोगों की मुलाकात इस मॉड्यूल के डॉक्टरों से करा चुका था। अल फलाह यूनिवर्सिटी के इस टेरर मॉड्यूल में फिलहाल सबसे अहम भूमिका डॉ. मुजम्मिल की थी। वो ही पाकिस्तानी हैंडलर से सबसे अधिक संपर्क में रहता था। उसी के पास हवाला नेटवर्क के जरिये रुपये आते थे। यहां तक कि विस्फोटक व

हथियार इकट्ठा कर उन्हें सुरक्षित ठिकानों पर छुपाने की जिम्मेदारी भी डॉ. मुजमिल के पास ही थी। धौज और फतेहपुर तगा गांव के दोनों लोकेशन पर मिले 2900 किलो से अधिक विस्फोटक को उसने ही यहां छुपाया हुआ था। इन दोनों लोकेशन को उसने ही किराये पर लिया था। जांच एजेंसी के सूत्रों की माने तो धौज के रहने वाले सब्बीर को एनआईए ने हिरासत में लिया है। सब्बीर की गांव में ही मोबाइल की दुकान है। करीब 8 महीने पहले डॉ. मुजम्मिल अपना मोबाइल रिपेयर कराने सब्बीर की दुकान पर गया था। इसके बाद डॉ. मुजम्मिल कई बार धौज में सब्बीर की दुकान पर गया और यहीं से उसने कई मोबाइल सिम खरीदी थी। साथ ही, धौज के रहने वाले इकबाल मद्रासी से भी डॉ. मुजम्मिल ने बिना कोई आईडी दिए कमरा किराए पर लिया था। मद्रासी की मुलाकात अस्पताल में सितंबर महीने में बुखार की दवाई लेने के दौरान डॉ. मुजमिल से हुई थी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, डॉ. शाहीन ने अपनी टीम में लड़कियों को शामिल करने का भी प्लान तैयार किया था। इसके तहत उसने कुछ लड़कियों की लिस्ट भी बनाई थी, जिसका जिक्र उसकी डायरी में भी है। इसके अलावा, किसको कितने पैसे की मदद करनी है, इसका फैसला भी डॉ. शाहीन और उमर नबी मिलकर ही करते थे। शाहीन लड़कियों की टीम बनाने में कामयाब नहीं हुई और वे यूनिवर्सिटी से किसी भी महिला डॉक्टर, स्टॉफ या छात्रा को अपने नेटवर्क में शामिल नहीं कर पाए।